APRIL 2018 TO MARCH 2019

NEWS PAPER COVERAGE 2018-19

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में आयोजित किया कार्यक्रम

कर्मचारियों को दिया गया दो दिवसीय प्रशिक्षण

पत्रिका कवर्धा

पत्रिका कवर्धा, शनिवार, 25 अगस्त, 2018

उन्मूलन की बताई विधि

कृषि विज्ञान केन्द्र में गाजर घास जागरूकता दिवस मना

बायर कंपनी रायपुर के सीनियर एग्रोनॉमी मैनेजर सेंट्रल इंडिया एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक रहे उपस्थित

कृषि वैज्ञानिकों ने धान की बीमारी का किया निरीक्षण

कृषि वैज्ञानिकों ने धान की बीमारी का किया निरीक्षण

जायजा

नवभारत प्रतिनिधि। कुंडा.

कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने कुण्डा क्षेत्र में धान की बीमारी का शनिवार को निरीक्षण कर किसानों को विभिन्न जानकारी दी.

कृषि वैज्ञानिकों की टीम में डॉक्टर बीपी त्रिपाठी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पंडरिया से दिलीप साहू ,बायर कंपनी रायपुर के सीनियर एग्रोनॉमी मैनेजर सेंट्रल इंडिया एवं प्रवीण सिंह वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक रायपुर शामिल थे. उन्होंने विकासखंड पंडरिया के कुंडा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भरेवा पुरन में कई किसानों के खेतों में जाकर बायर हाइब्रिड धान 8433 डी टी बायर कंपनी के धान में ग्राम भरेवा पुरन में लगभग 200 एकड़, खम्हरिया में 25 एकड़, ओडॉड़बरी में12 एकड़ एवं प्राण खैरा में लगभग 50 एकड़ के इस कंपनी के हाइब्रिड धान में यह बीमारी पाया गया, जिसका नाम पेनिकल बैक्टीरिया है जो सामान्यतया पानी गिरने के बाद एकाएक उमस भरी तापमान काफी अधिक हो जाने पर यह बीमारी हाइब्रिड धान में पाया जाता है. वैज्ञानिकों का मानना है कि यह लोकल धान में भी हो सकता है लेकिन यहां लोकल धान में यह बीमारी नहीं पाया गया है.वैज्ञानिकों ने जांच उपरांत बताया कि यह बेक्टेरिया इफिक्टेड है जो वातावरण में बढ़े तापमान के कम होने से यह बीमारी धान को सामान्यतया कोई क्षति पहुंचाए बिना ही स्वमेव समाप्त हो जाता है .कृषि वैज्ञानिक राजेश दुबे ने बताया कि चाहे तो किसान अति शीघ्र इसके रोकथाम एवं निदान के लिए स्ट्रेप्टोसेकली एवं सीओसी का छिड़काव कर इससे निजात पा सकते हैं . दुलेश्वर चंद्राकर, वासुदेव चंद्राकर,यशवंत चंद्राकर,प्रभात चंद्राकर, प्रदीप चंद्राकर, अतुल चंद्राकर,विजय चंद्राकर अनिल सर्वेया ने धान में होने वाले इस फंगल बीमारी के बारे में जानकारी प्राप्त किया एवं उनके रोकथाम हेतु वैज्ञानिकों के द्वारा बताए गए उपाय को समझा.

रायपुर, शनिवार, 26 मई 2018

कवर्धा हरिभूमि 13

मत्स्य पालकों को दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा एवं प्रेरक समूह के संयुक्त तत्वाधान में कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में एक दिवसीय मत्स्य पालक कृषक प्रशिक्षण सह संगोष्ठी का आयोजन गत दिनो किया गया है। जिसमें मत्स्य पालक को मछली पालन के विषय में जानकारी प्रदान की गई, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बीपी त्रिपाठी ने कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रमुख गतिविधियों एवं मछली पालन का कृषक की आय दुगुनी करने में कैसे कारगर सिद्ध होगा यह बताया कुमारी मनीषा खापर्डे, विषय वस्तु विशेषज्ञ, मात्स्यिकी ने पालने योग्य मछली प्रजातियों के बारे में बताते हुए मिश्रित मछली पालन की सम्पूर्ण जानकारी कृषकों को दी। डॉ. बीआर होन्नानंदा, सहायक प्राध्यापक, मात्स्यिकी महाविद्यालय, कवर्धा ने मछली में होने वाले प्रमुख बिमारियों एवं निदान के विषय में जानकारी दी एवं दुष्यंत दामले सहायक प्राध्यापक, मात्स्यिकी महाविद्यालय, कवर्धा ने समन्वित मछली पालन विषय में कृषकों से चर्चा से प्रशिक्षण के अंत में कृषि विज्ञान केन्द्र का भ्रमण कराया जिसमें उन्होंने समन्वित मछली पालन प्रणाली के अंतर्गत मछली सह-बतख पालन ईकाई का अवलोकन किया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 से अधिक कृषक उपस्थित थे।